भारत-अफगानिस्तान टेस्ट से शुरू होगा गिल का दौर

- शुभमन की कप्तानी में नया टेस्ट दौर शुरू
- भारत का दबदबा और पिच की भूमिका अहम

मुल्लांपुर, 05 जून भारतीय टेस्ट क्रिकेट में शनिवार से एक नए दौर की शुरुआत हो रही है. शुभमन गिल की कप्तानी में टीम एक बदलाव के दौर (ट्रांज़िशन फ़ेज़) में कदम रख रही है और मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ एक टेस्ट मैच खेलेगी.

यह मैच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं है. पिछले साल नवंबर के बाद भारत रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी कर रहा है. यह मैच ऐसे समय में हो रहा है जब टीम में पीढ़ीगत बदलाव (जेनरेशनल शिफ्ट) हो रहा है और सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं.

गिल के लिए यह सीरीज़ लीडरशिप की शुरुआती परीक्षा है. वह एक युवा और नई टीम का नेतृत्व करते हुए भारत के लंबे समय के टेस्ट कप्तान के तौर पर अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे. भारत ने इस मैच का इस्तेमाल अपनी बेंच स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए किया है, जिसमें स्थापित खिलाड़ियों के साथ-साथ कई उभरते हुए खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है.

उम्मीद है कि भारत की बैटिंग लाइन-अप की शुरुआत केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल करेंगे, और मिडिल ऑर्डर में साई सुदर्शन, गिल और ऋषभ पंत होंगे. निचले क्रम में वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे ऑलराउंडर विकल्प मौजूद हैं, जिससे सीनियर खिलाड़ियों की गैर-मौजूदगी में भी टीम को काफी गहराई मिलती है. गिल शानदार फ़ॉर्म में हैं; उन्होंने 2025 में नौ टेस्ट मैचों में 70.21 की औसत से 983 रन बनाए हैं. उनके शानदार प्रदर्शन में एजबेस्टन में बनाए गए ऐतिहासिक 269 रन भी शामिल हैं.

> हालांकि, अफ़गानिस्तान के लिए चुनौती तब और बढ़ जाती है जब उनके मुख्य स्पिनर राशिद खान और मुजीब उर रहमान टेस्ट टीम में नहीं होते; ऐसे में गेंदबाज़ी की कमान संभालने की अतिरिक्त ज़िम्मेदारी क़ैस अहमद पर आ जाती है. बिलाल सामी, सलीम साफ़ी, शराफ़ुद्दीन अशरफ़ और नंग्याल खरोताई जैसे सहयोगी गेंदबाज़ों को मिलकर भारत की मजबूत बैटिंग लाइन-अप को रोकने की कोशिश करनी होगी. इस बीच, भारत की तेज़ गेंदबाज़ी की कमान मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, जबकि कुलदीप यादव स्पिन के मुख्य हथियार होंगे क्योंकि पिच पर जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है. वॉशिंगटन सुंदर टीम में स्पिन और बल्लेबाज़ी का अतिरिक्त संतुलन लाते हैं.

फीफा विश्व कप 2026 का महासंग्राम 11 से

48 टीमों के बीच 104 मैच, अभ्यास मुकाबले में इराक ने स्पेन को रोका

11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होगा बड़ा विश्व कप

मैड्रिड, 05 जून. फुटबॉल जगत का सबसे बड़ा आयोजन फीफा विश्व कप 2026 अब बस कुछ ही दिनों दूर है. 11 जून से शुरू होकर 19 जुलाई तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में पहली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे.

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाला यह विश्व कप कई मायनों में ऐतिहासिक बनने जा रहा है. वहीं टूर्नामेंट से पहले खेले जा रहे अभ्यास मुकाबलों ने भी रोमांच बढ़ाना शुरू कर दिया है. गुरुवार को खेले गए एक वार्म-अप मैच में इराक ने यूरोपीय दिग्गज स्पेन को 1-1 की बराबरी पर रोककर बड़ा संदेश दिया. फीफा विश्व कप 2026 का विस्तार इसे अब तक का सबसे बड़ा संस्करण बनाता है. 16 मेजबान शहरों में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 48 राष्ट्रीय टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी. 39 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में कुल 104 मैच खेले जाएंगे. भारत में फुटबॉल प्रेमी सभी मुकाबलों का सीधा प्रसारण और स्ट्रीमिंग देख सकेंगे. ज़ी5 को टूर्नामेंट का आधिकारिक डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म बनाया गया है, जबकि यूनाइट 8 नेटवर्क पर भी मैचों का प्रसारण होगा. विश्व कप से पहले स्पेन और इराक के बीच खेला गया अभ्यास मैच चर्चा का विषय बना रहा. ला कोरुना में खेले गए इस मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और 16वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली. हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 27वें मिनट में मेरचास डोस्की के शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी हासिल कर ली. स्पेनिश गोलकीपर जोन गार्सिया उस समय सही स्थिति में नहीं थे और गेंद सीधे नेट में चली गई.स्पेन के कोच लुइस डे ला

फुएंते ने इस मुकाबले में कई नए खिलाड़ियों को मौका दिया. बार्सिलोना के युवा मिडफील्डर मार्क बर्नल और रियल सोसिदाद के डिफेंडर जॉन मार्टिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया. वहीं कई नियमित खिलाड़ी चोट, आराम या अन्य कारणों से मैदान से बाहर रहे. इसके बावजूद स्पेन के पास 72 प्रतिशत बॉल पजेशन रहा, लेकिन टीम इराक की सघन रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी.

> अब स्पेन अपनी अंतिम तैयारियों के लिए अमेरिका रवाना होगा, जहां वह 9 जून को पेरू के खिलाफ अंतिम वार्म-अप मैच खेलेगा. इसके बाद 15 जून को काबो वर्डे के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा. वहीं इराक की अगली परीक्षा नॉर्वे के खिलाफ होगी. विश्व कप 2026 जहां फुटबॉल के वैश्विक विस्तार का प्रतीक बनेगा, वहीं इराक जैसे देशों के प्रदर्शन यह साबित कर रहे हैं कि आधुनिक फुटबॉल में अब किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता. 11 जून से शुरू होने वाला यह महाकुंभ दुनिया भर के करोड़ों प्रशंसकों को एक महीने से अधिक समय तक रोमांचित करने के लिए तैयार है.

काबुनी ने श्रेयस अय्यर को सुपर कोच बनाया

मुंबई, 05 जून क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई-संचालित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, काबुनी ने आज भारत के सबसे दमदार बल्लेबाज़ों में से एक, श्रेयस अय्यर, को सुपर कोच के रूप में शामिल करने की घोषणा की.

श्रेयस अय्यर अब काबुनी के सुपर कोचेस की बढ़ती सूची का हिस्सा बन गए हैं, जिसमें सौरव गांगुली, शेन वॉटसन और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज शामिल हैं. ये चारों 7 जून को मुंबई में होने वाले काबुनी शोकेस में उपस्थित रहेंगे, जहाँ काबुनी अपने प्लेटफॉर्म और भारत में स्कूलों, अभिभावकों तथा उभरते क्रिकेटर्स के लिए उपलब्ध अवसरों को औपचारिक रूप से पेश करेगा. इस लॉन्च का प्रमुख आकर्षण 'वॉन्ट टू प्ले फॉर ए लीजेंड?' नाम का नया राष्ट्रीय युवा क्रिकेट टूर्नामेंट होगा, जिसकी शुरुआत जून में होना निर्धारित है. 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के क्रिकेटर इसमें हिस्सा ले सकेंगे. प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी काबुनी की तकनीक के जरिए अपना हुनर दिखाएँगे और श्रेयस अय्यर की टीम में खेलने का मौका हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगे. इस चयन प्रक्रिया में काबुनी के रियल-टाइम फीडबैक टूल्स अहम् भूमिका निभाएँगे. काबुनी खिलाड़ियों की गतिविधियों और गेंद से जुड़े आँकड़ों को रियल-टाइम में ट्रैक करता है और उन्हें वॉइस, वीडियो तथा विजुअल गाइडेंस के माध्यम से व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान करता है. यह प्लेटफॉर्म '1% इम्प्रूवमेंट' की सोच पर आधारित है, जहाँ छोटे-छोटे सुधार समय के साथ बड़े बदलाव में बदल जाते हैं. बायोमैकेनिक्स और मोशन ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के जरिए काबुनी ऐसी कोचिंग को हर स्तर के खिलाड़ियों तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है, जो पहले सिर्फ शीर्ष स्तर के क्रिकेटर्स को ही उपलब्ध होती थी.

एक नजर में

रेड-बॉल क्रिकेट के लिए चाहिए बेहतर तैयारी

मुल्लांपुर, 05 जून इंडियन प्रीमियर लीग को समाप्त हुए मुश्किल से एक सप्ताह गुजरा है और भारत अफगानिस्तान से एकमात्र टेस्ट में शनिवार से भिड़ने जा रहा है. भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि हमें रेड-बॉल क्रिकेट के लिए बेहतर तैयारी शुरू करने की जरूरत है. गंभीर ने मैच की पूर्वसंध्या पर क्रिकेट के ज़्यादा मैचों और सीरीज़ के बीच कम समय मिलने पर शुक्रवार को कहा, 'हम थोड़े लकी हैं कि श्रीलंका सीरीज़ से पहले हमें काफ़ी समय मिल गया है क्योंकि इंग्लैंड और श्रीलंका सीरीज़ के बीच हमें 15 दिन का ब्रेक मिला है. इसलिए उन दो टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए यह काफ़ी समय है. न्यूज़ीलैंड सीरीज़ के लिए हमें शायद थोड़ी अलग तरह से तैयारी करनी पड़े. क्योंकि आखिरी वनडे और पहले टेस्ट मैच के बीच सिर्फ़ तीन दिन का ही ब्रेक है. इसलिए हमें उन वनडे खिलाड़ियों को अलग करना होगा जो टेस्ट टीम का भी हिस्सा हैं. एक बात जो हमें समझ आई है, वह यह है कि हमें रेड-बॉल क्रिकेट के लिए बेहतर तैयारी शुरू करने की ज़रूरत है.'' उन्होंने कहा, ''वेस्टइंडीज़ और दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ सीरीज़ में इसी चीज़ की कमी थी. और आगे हमें इसी पर ध्यान देना होगा.'

7 जून को होंगे फेज 2 ट्रायल्स

नयी दिल्ली. अपने उद्घाटन ट्रायल चरण की शानदार सफलता के बाद, दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीपीवीएल) ने आगामी रविवार, को फेज-2 ट्रायल्स आयोजित करने की घोषणा की है. यह ट्रायल्स सुबह 8:00 बजे से लक्ष्मी पब्लिक स्कूल, कड़कड़डूमा, दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे. फेज 1 ट्रायल्स में जिन खिलाड़ियों को पुष्टि कॉल प्राप्त हुई थी, उनमें 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जो लीग के पहले सीज़न का हिस्सा बनने के लिए खिलाड़ियों के उत्साह और रुचि को दर्शाती है. अब डीपीवीएल अपनी प्रतिभा खोज प्रक्रिया का विस्तार दिल्ली से बाहर करते हुए उत्तर भारत के सात राज्यों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आमंत्रित कर रहा है. इनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं. आगामी ट्रायल्स में इन क्षेत्रों के कई प्रतिभाशाली और उभरते हुए वॉलीबॉल खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है. सभी ट्रायल चरणों के पूरा होने के बाद, चयनित खिलाड़ियों को आधिकारिक प्लेयर ऑक्शन के लिए पात्र माना जाएगा.

आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट

नयी दिल्ली. आउटर दिल्ली वॉरियर्स इलेवन ने 51वें अखिल भारतीय गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (पंजीकृत) के पूल-सी लीग मुकाबले में शुक्रवार को फ्रेंड्स सी.सी. को 8 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की. दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक क्रिकेट टूर्नामेंटों में शामिल इस प्रतियोगिता के 51वें संस्करण में टीम ने गेंद और बल्ले दोनों से दमदार प्रदर्शन किया. टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी आउटर दिल्ली वॉरियर्स की टीम ने फ्रेंड्स सी.सी. को 113 रन पर रोक दिया. फ्रेंड्स सी.सी. की ओर से घनश्याम ने सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि देव मेहता ने 27 और यशवर्धन ओबेरॉय ने 23 रन का योगदान दिया. आउटर दिल्ली वॉरियर्स के लिए गेंदबाजी में अमन चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट झटके. उन्हें शौर्य मलिक (1/33), शिवम शर्मा (1/20) और कमल कुमार बिरवत (1/15) का बेहतरीन सहयोग मिला. 113 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने केवल 2 विकेट खोकर मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया. हिम्मत सिंह ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 32 गेंदों में 77 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे.

रॉबिंसन और जॉश ने दिलाई इंग्लैंड को 27 रनों की बढ़त

लॉर्ड्स, 05 जून ऑली रॉबिंसन (पांच विकेट) और जॉश टंग (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह के सत्र में गेंदबाजों के लिए मददगार पिच पर न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेट कर 27 रनों की बढ़त हासिल कर ली.

न्यूजीलैंड ने आज, कल के छह विकेट पर 61 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया. सुबह के सत्र में न्यूजीलैंड का सातवां विकेट 65 रन के स्कोर पर ग्लेन फ़िलिप्स (35) के रूप में गिरा. उन्हें जॉश टंग ने बोल्ड आउट किया. 23वें ओवर की आखिरी गेंद पर टंग ने नेथन स्मिथ (15) रन का भी शिकार कर लिया. विलियम ओरूर्क (एक) को गस ऐटकिंसन ने आउट किया. 30वें ओवर की पांचवीं गेंद पर ऑली रॉबिंसन ने मैट हेनरी (शून्य) को बोल्ड कर 113 रनों के स्कोर पर न्यूजीलैंड की पहली पारी का अंत कर दिया. काइल जेमिसन 38 रन पर नाबाद रहे. इसी के साथ इंग्लैंड को 27 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई है. इंग्लैंड के लिए ऑली रॉबिंसन ने पांच विकेट लिये. जॉश टंग को तीन विकेट मिले.

> गस ऐटकिंसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया. इससे पहले काइल जेमीसन (पांच विकेट) और नेथन स्मिथ (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन इंग्लैंड को पहली पारी में 140 रन के स्कोर पर समेट दिया था. न्यूजीलैंड ने गुरुवार को टॉस जीतकर इंग्लैंड के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कहर का सामना करना पड़ा. इंग्लैंड के हैरी ब्रूक (56) रन को छोड़कर उसका कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक देर तक नहीं टिक सका.

थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भारत ने जीता कांस्य पदक

कुआलालंपुर, (मलेशिया), 05 जून विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन के तत्वावधान में एक से पांच जून तक मलेशिया में आयोजित द्वितीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भारत ने महिला और पुरुष वर्गों में कांस्य पदक जीता है.

फेडरेशन के जनसंपर्क अधिकारी एडवोकेट ललित शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि प्रतियोगिता का पुरुष वर्ग में कम्बोडिया ने स्वर्ण, रजत श्रीलंका ने जीता. वहीं महिला वर्ग में कम्बोडिया ने स्वर्ण, मलेशिया ने रजत पदक जीता. उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में एशिया के विभिन्न देशों के करीब 200 पैरा खिलाड़ियों ने शिरकत की.

उन्होंने बताया कि चैंपियनशिप में तृतीय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप मार्च 2027 में भारत में राजस्थान में आयोजित करने की घोषणा की गई. इस प्रतियोगिता में एशिया के अधिकतम देशों के शामिल होने की उम्मीद है. भारत का प्रतिनिधिमंडल जयपुर की प्रख्यात समाजसेवी एवं विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत के नेतृत्व में प्रतियोगिता में शामिल हुआ. भारतीय प्रतिनिधिमंडल में लक्ष्मण रावत, डॉ. सीमा शर्मा, एडवोकेट ललित शर्मा और डॉ. प्रदीप कुमावत शामिल थे. इस अवसर पर निर्मला रावत का सम्मान किया गया. निर्मला रावत ने कहा कि पैरा खेल दिव्यांग खिलाड़ियों को आत्मविश्वास, अनुशासन, समान अवसर एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान करते हैं. ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं.

प्रज्ञानंद नॉर्वे चेस खिताब की दौड़ में फाइनल राउंड में पहुंचे

- असौबायेवा ने जीता महिला वर्ग का खिताब

ओस्लो (नॉर्वे), 05 जून भारत के प्रज्ञानंद रमेशबाबू ने नॉर्वे चेस 2026 के नौवें राउंड में हमवतन गुकेश डोम्माराजू को हराकर शुक्रवार को होने वाले फाइनल राउंड में जगह बना ली है.

वहीं बिबिसारा असौबायेवा ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया है. वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ़ वेस्ली सो का क्लासिकल गेम बराबरी (ड्रॉ) पर खत्म हुआ. इसके बाद सो ने आर्मागेडन गेम जीता, जिससे उन्हें अतिरिक्त अंक मिले और फ़ाइनल राउंड से पहले उनकी बढ़त बनी रही.

प्रज्ञानंद रमेशबाबू ने दिन की अहम क्लासिकल जीत हासिल की और काले मोहरों के साथ खेलते हुए वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोम्माराजू को हराया. एक मुश्किल मुकाबले में, मिडिलगेम में गुकेश के दबाव में आने के बाद प्रज्ञानंद ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और आत्मविश्वास के साथ जीत हासिल की.

टूर्नामेंट

फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब बरकरार, पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी

सारा एरानी-वावासोरी ने फिर रचा इतिहास

पेरिस, 05 जून गत चैंपियन इटली की सारा एरानी और एंड्रिया वावासोरी की जोड़ी ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए फ्रेंच ओपन 2025 का मिश्रित युगल खिताब जीत लिया.

गुरुवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और अमेरिका के इवान किंग की जोड़ी को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 4-6, 6-3, 10-4 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया. इस जीत के साथ एरानी और वावासोरी फ्रेंच ओपन में लगातार दो मिश्रित युगल खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गई हैं. रोलां गैरो के ऐतिहासिक कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत इटैलियन जोड़ी के लिए अच्छी नहीं रही. डाब्रोव्स्की और किंग ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया. पहले सेट में कनाडाई-अमेरिकी जोड़ी ने बेहतर सर्विस और नेट प्ले का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव बनाए रखा.

> एंड्रिया वावासोरी ने अपनी साथी की जमकर प्रशंसा की और कहा कि एरानी के अनुभव तथा संघर्षशील रवैये ने टीम को कठिन परिस्थितियों में वापसी करने की ताकत दी. दोनों खिलाड़ियों ने अपने परिवारों, कोचिंग स्टाफ और समर्थकों का धन्यवाद करते हुए अगले वर्ष भी इसी तरह का प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद जताई. इस जीत के साथ एरानी और वावासोरी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बड़े मुकाबलों में दबाव को संभालने और निर्णायक क्षणों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता उन्हें दुनिया की सबसे खतरनाक मिश्रित युगल जोड़ियों में शामिल करती है.

शूटआउट में हारी भारतीय अंडर-18 महिला टीम

काकामिगाहारा. जापान में चार क्वार्टर तक चले कड़े और जबरदस्त मुकाबले के बाद शुक्रवार को भारतीय महिला टीम को अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में चीन के हाथों शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा. चीन की महिला टीम का फाइनल में मुकाबला जापान और कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा. भारतीय टीम के लिए नौशीन नाज ने (तीसरे) और किरण एक्का ने (54वें) मिनट में गोल किए, जबकि ली जियान (24वें) और झांग युज़ेंग (48वें) मिनट में चीन के लिए गोल करने वाले खिलाड़ी रहे.